पंजाब केसरी 26/01/2025

बौद्धिक संपदा अधिकार युवाओं के लिए वरदान और नए उद्योगों एवं नौकरियों के सृजन में सहायक : डा. रोहित दत्त

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में बौद्धिक संपदा अधिकार को लेकर आयोजित फैकल्टी डिवैल्पमैंट प्रोग्राम के समापन समारोह में भाग लेते प्राचार्य डा. रोहित दत्त और मुख्य वक्ता डा. गौरव कुमार। (देवदत्त)

अम्बाला, 25 जनवरी (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में बौद्धिक संपदा अधिकार (आई.पी.आर.) को लेकर चल रहे पांच दिवसीय फैकल्टी डिवैल्पमैंट प्रोग्राम का शनिवार को समापन हो गया। अंतिम सत्र में डा. गौरव कुमार ने मुख्य वक्ता के तौर पर शिरकत की।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार युवाओं के लिए वरदान है और यह नए उद्योगों एवं नौकरियों के सृजन में सहायक है। (आई.पी.आर.) के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य वक्ता का पौधा देकर स्वागत किया। इस दौरान मुख्य वक्ता डा. गौरव कुमार ने अपने संभाषण में ट्रेडमार्क, उसके उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली के बारे में बखूबी समझाया और साथ ही कॉपीराइट एवं आई.पी.आर. में आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस के प्रयोग के बारे में भी बताया। उन्होंने विभिन्न जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किए, जिनकी मदद से औद्योगिक डिजाइनों के आधार पर पेटैंट दाखिल किया जा सकता है। प्रतिभागियों ने बड़े जोश और उत्साह के साथ भाग लिया।

अंत में, कार्यक्रम की संयोजिका डा. प्रबलीन कौर ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सत्रों में उपस्थित रहे मुख्य वक्ताओं एवं स्टाफ के सभी सदस्यों का मंच से धन्यवाद किया। कार्यक्रम के समापन पर डा. प्रबलीन कौर एवं डा. भारती सुजान ने मुख्य वक्ता को स्मृति चिन्ह देकर आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के पांचों दिन भाग लेने वाले विद्यार्थियों एवं शैक्षणिक स्टाफ सदस्यों का उत्साह देखने योग्य रहा।